



Preetam kr Shekhar



Sanjivini

Model: Love-Horoscope

Order No: 121265801

Model: Love-Horoscope

Order No: 121265801

Date: 13/02/2026

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
29/11/1998 :	जन्म तिथि	: 12/11/2000
रविवार :	दिन	: रविवार
घंटे 11:54:00 :	जन्म समय	: 14:30:00 घंटे
घटी 14:20:27 :	जन्म समय(घटी)	: 21:13:28 घटी
India :	देश	: India
Vishakhapatnam :	स्थान	: Trivandrum
17:42:00 उत्तर :	अक्षांश	: 08:30:00 उत्तर
83:24:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:22:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:09:49 :	सूर्योदय	: 06:14:08
17:19:29 :	सूर्यास्त	: 17:58:47
23:50:20 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:51
कुम्भ :	लग्न	: कुम्भ
शनि :	लग्न लग्नाधिपति	: शनि
मीन :	राशि	: वृष
गुरु :	राशि-स्वामी	: शुक्र
उ०भाद्रपद :	नक्षत्र	: कृतिका
शनि :	नक्षत्र स्वामी	: सूर्य
3 :	चरण	: 2
सिद्धि :	योग	: वरियान
गर :	करण	: कौलव
झ-झूलेलाल :	जन्म नामाक्षर	: झ-ईशा
धनु :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
विप्र :	वर्ण	: वैश्य
जलचर :	वश्य	: चतुष्पाद
गौ :	योनि	: मेष
मनुष्य :	गण	: राक्षस
मध्य :	नाडी	: अन्त्य
सिंह :	वर्ग	: गरुड़

Shree Siddhivinayak Astro

Gola Bandh Road Muzaffarpur

9693608763

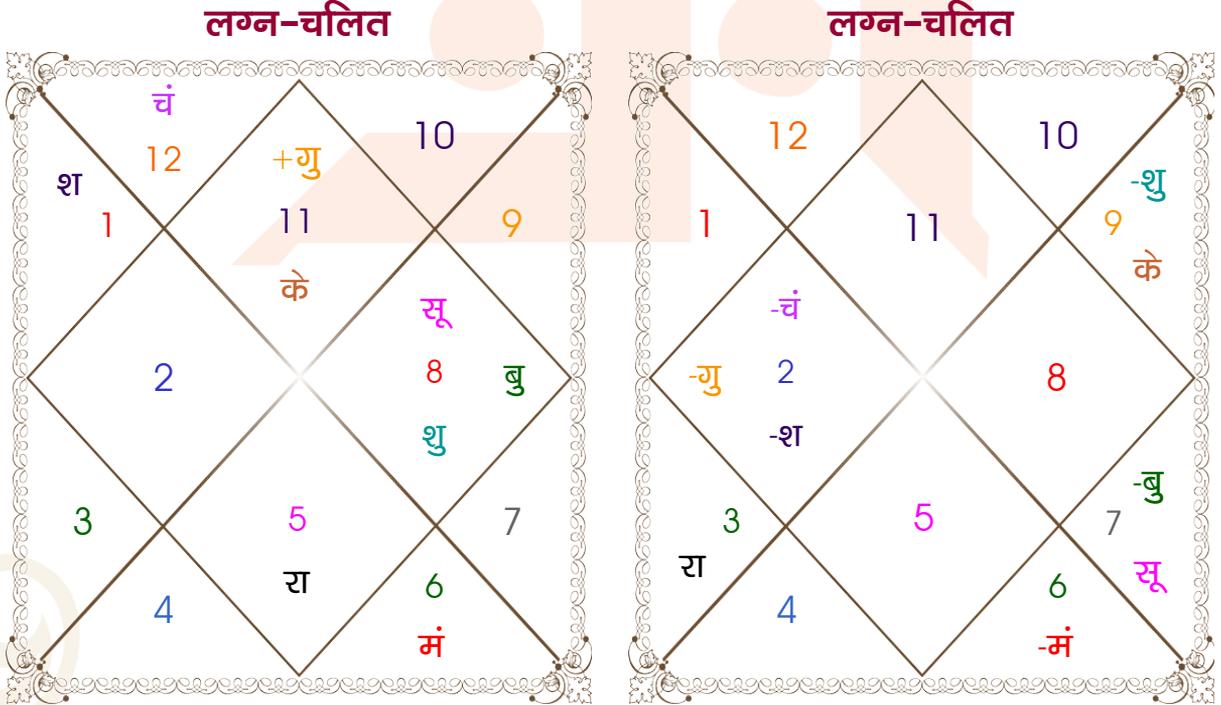
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 6वर्ष 7मा 15दि	08:00:08	कुंभ	लग्न	कुंभ	28:51:22	सूर्य 3वर्ष 2मा 12दि
केतु	12:58:57	वृश्चि	सूर्य	तुला	26:25:06	राहु
15/07/2022	12:01:03	मीन	चंद्र	वृष	02:53:17	24/01/2021
15/07/2029	07:11:34	कन्या	मंगल	कन्या	11:14:06	25/01/2039
केतु 11/12/2022	18:34:20	वृश्चि व	बुध	तुला	07:38:18	राहु 07/10/2023
शुक्र 10/02/2024	24:44:48	कुंभ	गुरु व	वृष	14:22:03	गुरु 02/03/2026
सूर्य 17/06/2024	20:27:36	वृश्चि	शुक्र	धनु	05:16:25	शनि 06/01/2029
चन्द्र 16/01/2025	03:45:11	मेष व	शनि व	वृष	04:12:25	बुध 26/07/2031
मंगल 14/06/2025	01:58:53	सिंह व	राहु व	मिथु	23:07:30	केतु 13/08/2032
राहु 03/07/2026	01:58:53	कुंभ व	केतु व	धनु	23:07:30	शुक्र 14/08/2035
गुरु 09/06/2027	15:41:14	मक	हर्ष	मक	23:09:02	सूर्य 07/07/2036
शनि 18/07/2028	06:11:31	मक	नेप	मक	10:08:33	चन्द्र 06/01/2038
बुध 15/07/2029	14:02:19	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	18:01:37	मंगल 25/01/2039

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:51



Shree Siddhivinayak Astro

Gola Bandh Road Muzaffarpur

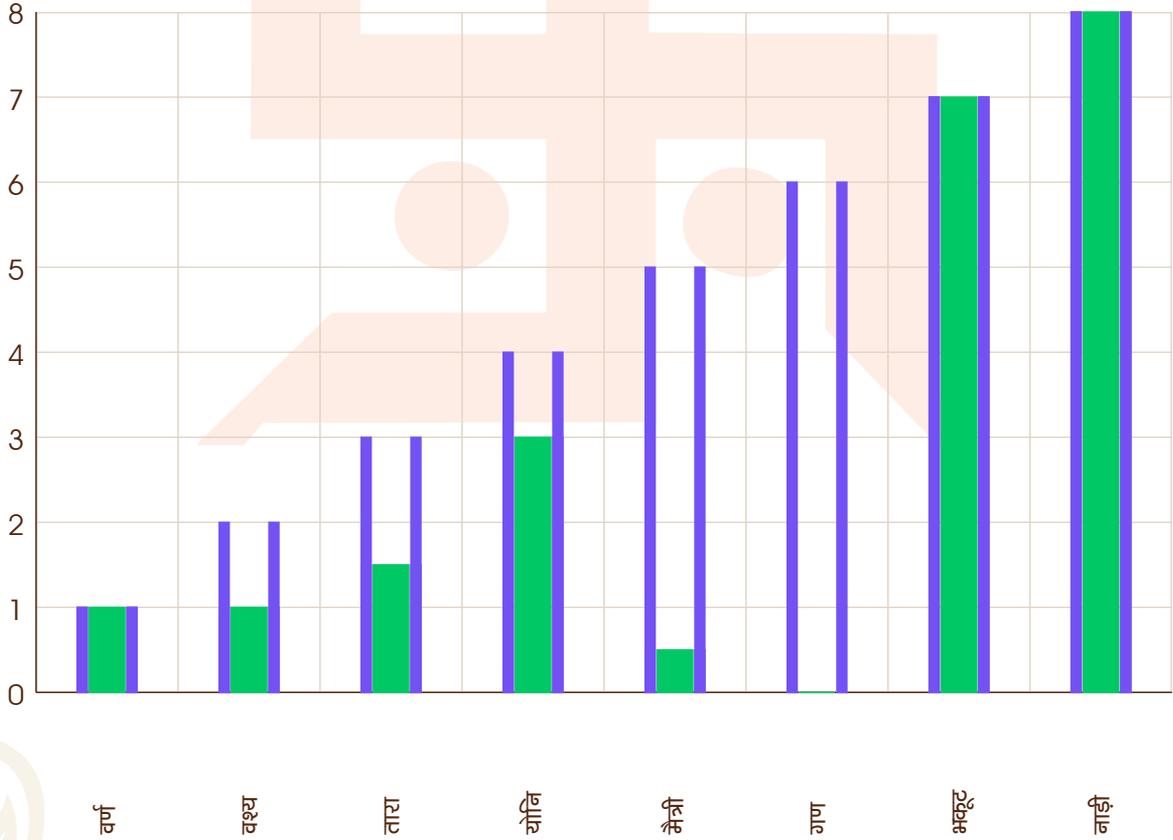
9693608763

shreesiddhivinayakastro@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.00		

कुल : 22 / 36



अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

चतुर्मास जन्म का वर्ग सिंह है तथा Sanjivini का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार चतुर्मास जन्म और Sanjivini का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

चतुर्मास जन्म मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।

Sanjivini मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि चतुर्मास जन्म की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

चतुर्मास जन्म तथा Sanjivini में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

क्षममजंड तौर्मात का वर्ण ब्राह्मण तथा Sanjivini का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Sanjivini सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेगी। Sanjivini मितव्ययी होगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेगी।

वश्य

क्षममजंड तौर्मात का वश्य जलचर है एवं Sanjivini का वश्य चतुष्पद है। अतः यह मिलान औसत मिलान ही है। जलचर एवं चतुष्पद सामान्यतः एक-दूसरे के लिए सम हैं। दोनों के बीच न ही प्रेम की भावना होगी और न ही शत्रुता तथा दोनों का प्रकृति में स्वतंत्र अस्तित्व रहेगा। कुंडली मिलान में दोनों के दृष्टिकोण, सोच एवं व्यवहार में पूर्णतः भिन्नता रहते हुए भी विवाह को स्वीकृति प्रदान की गयी है क्योंकि दोनों एक-दूसरे को किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाएंगे तथा अपने-अपने तरीके से अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

क्षममजंड तौर्मात की तारा साधक तथा Sanjivini की तारा प्रत्यरि है। Sanjivini की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह क्षममजंड तौर्मात एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Sanjivini का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Sanjivini के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। क्षममजंड तौर्मात अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

क्षममजंड तौर्मात की योनि गौ है तथा Sanjivini की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का

वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में चतममजंड तौमीत का राशि स्वामी Sanjivini के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Sanjivini का राशि स्वामी चतममजंड तौमीत के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

चतममजंड तौमीत का गण मनुष्य तथा Sanjivini का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Sanjivini का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण चतममजंड तौमीत एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

चतममजंड तौमीत से Sanjivini की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Sanjivini से चतममजंड तौमीत की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण चतममजंड तौमीत अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Sanjivini सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

चतममजंड तौमीत की नाड़ी मध्य है तथा Sanjivini की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण चतममजंड तौमीत एवं Sanjivini के बीच

साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।



Shree Siddhivinayak Astro

Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

त्तममजंउ तौमीत की जन्मराशि जलतत्व युक्त मीन तथा Sanjivini की राशि पृथ्वी तत्व युक्त वृष है। पृथ्वी तथा जलतत्व में परस्पर समानता के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे आपसी सम्बंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः मिलान सामान्य से अच्छा रहेगा।

त्तममजंउ तौमीत की राशि का स्वामी वृहस्पति तथा Sanjivini की राशि का स्वामी शुक परस्पर सम तथा शत्रुराशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से त्तममजंउ तौमीत और Sanjivini के मध्य यदा कदा मतभेद तथा विवाद उत्पन्न होंगे तथा दाम्पत्य सम्बंधों में कटुता का भाव रहेगा वे एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा तथा कमियों पर विशेष ध्यान देने से परस्पर कटुता एवं तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा तथा दाम्पत्य जीवन में भी प्रतिकूलता रहेगी। अतः त्तममजंउ तौमीत और Sanjivini यदि बुद्धिमता तथा सामंजस्य से कार्य लें तो दाम्पत्य जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति करने में ये दोनों समर्थ हो सकते हैं।

त्तममजंउ तौमीत और Sanjivini की राशियां परस्पर तृतीय तथा एकादश भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभफलों में न्यूनता आएगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण तथा आत्मिक लगाव भी रहेगा। साथ ही कमियों की अपेक्षा गुणों पर विशेष ध्यान देकर दाम्पत्य जीवन में सुख एवं प्रसन्नता की प्राप्ति होगी तथा समय आनन्दपूर्वक व्यतीत होगा।

त्तममजंउ तौमीत का वश्य जलचर तथा Sanjivini का वश्य चतुष्पद है। अतः इनमें नैसर्गिक विषमता के कारण अभिरुचियों में भिन्नता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेगी। फलतः कामसम्बंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में समर्थ नहीं होंगे।

त्तममजंउ तौमीत का वर्ण ब्राह्मण तथा Sanjivini का वर्ण वैश्य है। अतः त्तममजंउ तौमीत की प्रवृत्ति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्य कलापों में रहेगी जबकि Sanjivini धनार्जन में विशेष तत्पर रहेगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेगी इससे यदा कदा त्तममजंउ तौमीत और Sanjivini के मध्य मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं।

धन

त्तममजंउ तौमीत और Sanjivini की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। त्तममजंउ तौमीत और Sanjivini की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा।

अतः धनार्जन होता रहेगा।

Sanjivini एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पत्ति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

क्षममजंड तौर्मात की नाड़ी मध्य तथा Sanjivini की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में जन्म होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से मुक्त रहेंगे अतः गंभीर शारीरिक कष्ट से सुरक्षित रहेंगे लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव नहीं रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही संभोग क्रिया में भी दोनों शिथिलता तथा उदासीनता प्रदर्शन का करेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अल्पता की अनुभूति होगी। इसके अतिरिक्त Sanjivini के गर्भपात की भी संभावना रहेगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता करने के लिए क्षममजंड तौर्मात और Sanjivini दोनों को हनुमान की उपासना, मंगलवार के उपवास तथा मूंगा आदि धारण करना चाहिए। इससे अशुभ प्रभावों में न्यूनता तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से क्षममजंड तौर्मात और Sanjivini का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Sanjivini के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Sanjivini को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबंधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

क्षममजंड तौर्मात और Sanjivini बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः क्षममजंड तौर्मात और Sanjivini का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Sanjivini के अपनी सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे परन्तु यदा कदा उनके मध्य अनावश्यक मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होंगे परन्तु परस्पर सामंजस्य के द्वारा उनका समाधान हो जाएगा तथा इससे विशेष कठिनाई नहीं होगी। साथ ही Sanjivini सास से अपनी माता के समान व्यवहार करेंगी तथा इसी प्रकार उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का ध्यान रखेंगी।

लेकिन ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में Sanjivini को काफी परेशानी तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। यदि Sanjivini धैर्य, गंभीरता तथा सामंजस्य का उनके प्रति प्रदर्शन करेंगी तो उनसे किंचित मात्रा में सहानुभूति प्राप्त हो सकती है। देवर एवं ननदों से Sanjivini के संबंधों में मधुरता का अभाव रहेगा तथा परस्पर ईर्ष्या तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा। इस प्रकार सामंजस्य एवं बुद्धिमता से ही Sanjivini ससुराल में अनुकूल वातावरण प्राप्त कर सकती है।

ससुराल-श्री

क्षममजंड तौमीत के अपनी सास से संबंधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में क्षममजंड तौमीत के संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृत्ति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण क्षममजंड तौमीत के प्रति सामान्य ही रहेगा।

लग्न फल

Preetam kr Shekhar

आपका जन्म शतभिषा नक्षत्र के प्रथम चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस ज्योतिषीय समन्वित आकृति से यह दृश्य हो रहा है कि आप ईश्वरीय प्रबंधन के अनुसार धन एवं प्रसन्नता युक्त जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप अकर्मण्य नहीं हैं। लेकिन आप जीवन के सभी कार्य पूर्ण तत्परता के साथ संपादित करेंगे।

आप विद्वान एवं अधिकार युक्त स्वच्छंद विचार से जीवन व्यतीत करेंगे। आप निश्चित रूप से अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम एवं समर्पित भाव से कार्य सिद्धि का निष्पादन करेंगे। आप श्रेष्ठतम कार्य शक्ति का समुचित व्यवहार करेंगे तथा सर्वोच्च शिखर पर पहुंच जाएंगे।

यद्यपि आप वार्तालाप के क्रम में अप्रियता का प्रदर्शन करते हैं। बल्कि आप एक ईमानदार एवं विश्वसनीय प्राणी हैं तथा दूसरों को कष्ट नहीं पहुंचाते। परंतु यदि कोई आपको उतेजित कर देता है तो अपनी क्षमता के अनुरूप पीछे मुड़ कर उस पर आश्चर्यजनक शक्ति से प्रहार कर उसे पराजित कर देते हैं। आप मात्र अलग से आर्थिक रूप से सुदृढ़ नहीं हैं। आप अपनी शक्ति एवं प्रभाव के अनुसार प्रभावशाली स्तर के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक आयु से युक्त अर्थात् दीर्घजीवी हैं। जब आप 28 वर्ष की आयु के हो जाएंगे तब आप अच्छी प्रकार अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होंगे।

आप मध्यस्थता कराने वाले स्वभाव के प्राणी हैं। आप एकांत प्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे। आप भगवान के भक्त एवं धार्मिक प्रवृत्ति के प्राणी हैं। आप धर्म दर्शन का दिखावा के लिए रूचिवान एवं पराविज्ञान के प्रति उत्साही व्यक्ति हैं। इसलिए आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसायों में खगोलीय कार्य, ज्योतिषीय कार्य, पराविज्ञान सांख्यिकी की कार्य एवं वायु यात्रा से संबंधित व्यवसायों की पेशा अनुकूल है।

बहुत दिनों तक आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु आपकी वृद्धावस्था में कुछ रोगों के दुष्प्रभाव से हृदय संबंधी दिक्कतें, रक्तचाप एवं कफ खांसी, जुकाम एवं जोड़ों के दर्द, गठिया, वायु रोगादि से आक्रांत हो सकते हैं। आप अपने कार्यकलाप के प्रति सतर्क रहें। क्योंकि कभी भी ऐसी घटना यथा साधारण दुर्घटना, कोई चोट-मोच अथवा अकस्मिक रूप से अंगों का कट जाना संभाव्य है। आप एक उत्तम प्रकार के सुखों से युक्त घर परिवार के स्वामी होंगे। आप अपनी जरूरत के अनुरूप जीवन-यापन के रास्ते बना लेंगे। आप भाग्यशाली तथा बुद्धिमती पत्नी के पति एवं प्रिय संतानों के पिता होंगे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंकों का परित्याग करना चाहिए।

Shree Siddhivinayak Astro

Gola Bandh Road Muzaffarpur

9693608763

shreesiddhivinayakastro@gmail.com

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन शनिवार, एवं शुक्रवार का दिन अनुकूल प्रमाणित है। आपके लिए शेष तीन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आप रंगों में नारंगी, हरा एवं नीला रंग से परहेज करें। क्योंकि ये रंग आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल हैं। परंतु रंग सफेद, क्रीम, लाल एवं पीला रंग आपके लिए लाभदायक है।

Sanjivini

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन की कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाली हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगी। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रुचिवान रहेंगी। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगी। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकती हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखती हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहती हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचती है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन की ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाली व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करती हो दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहती। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहती। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरुद्ध कर स्वयं आगे

निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक हैं। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमान पति एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित महिला हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली महिला के समान धनी हो जाओगी। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्यकर्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करती हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देती तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़ी रहती हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकती हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकती हैं क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर हैं। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग हैं। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।

अंक ज्योतिष फल

Preetam kr Shekhar

आपका जन्म दिनांक 29 होने से दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक धन एक के योग से दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्रग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल तथा योग ग्यारह के अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह हैं। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलाजुला फल दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक दो के स्वामी चन्द्र के प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति बहुत अच्छी रहेगी। आप स्नेहशील, भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले व्यक्ति होंगे। जिस तरह चन्द्रमा घटता-बढ़ता रहता है उसी तरह आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी आप पूर्णिमा की तरह प्रफुल्लित होंगे तो कभी अमावस्या के अंधकार में डूब जायेंगे। अतः आपको अपने जीवन में धैर्य, धीरज रखने की अति आवश्यकता है।

आपमें बदलाव की प्रकृति होने से एक कार्य को बीच में ही अधूरा छोड़ दूसरे कार्य में रुचि लेने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। इससे कई बार आपके कार्य देर से बनेंगे और एकाधबार तो कार्य बिगड़ ही जाया करेंगे। अतः आपको अपने ऊपर भरोसा रखना होगा और कठिन समय में आत्म विश्वास बनाये रखना होगा तभी आप सांसारिक सफलताएं पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपके अन्दर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होगा। आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मुखिया के रूप में कार्य करेंगे। साहस एवं पराक्रम के कार्यों में सहयोग देंगे। अंक एक के स्वामी सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान व्यक्ति के रूप में पहचान स्थापित करेंगे

Sanjivini

आपका जन्म दिनांक 12 है। एक एवं दो के जोड़ से तीन आपका मूलांक होता है। एक का स्वामी सूर्य दो का चन्द्र तथा तीन का गुरु है। मुख्य प्रभाव मूलांक तीन के स्वामी गुरु का आपके जीवन पर पड़ेगा। थोड़ा-बहुत प्रभाव सूर्य एवं चन्द्र का रहेगा। इन सभी ग्रहों के सम्मिलित प्रभाववश आप एक बुद्धिशील, विद्वान महिला होंगी। सूर्य प्रभाव से दृढ़शीलता, प्रखरता आयेगी। चन्द्र प्रभाव मानसिक कल्पना शीलता में वृद्धि करेगा एवं गुरु प्रभाव से आध्यात्मिकता, विद्या, लेखन-पठन के गुण आपके अन्दर आयेंगे।

आप अपने जीवन में एक सन्तुलित महिला होंगी एवं ऐसे ही कार्यों को करना पसन्द करेंगी, जिनमें मेहनत, ईमानदारी से लाभ हो। आपके इस गुण का विरोधी फायदा उठायेंगे और ईर्ष्यावश आपको प्रताड़ित करने की कोशिश करेंगे। लेकिन आप अपने दृढ़शीलता के व्यवहार से परास्त करने में सक्षम रहेंगी।

आपको ऐसे कार्यों में लाभ रहेगा, जहाँ बुद्धि का प्रयोग अधिक होता है। ज्ञान-विज्ञान इत्यादि के क्षेत्रों में भी आपकी रुचि रहेगी एवं भाषण, लेखन, वक्तव्य कला आदि

Shree Siddhivinayak Astro

Gola Bandh Road Muzaffarpur
9693608763
shreesiddhivinayakastro@gmail.com

में निपुण रहेंगी। बचपन एवं जवानी की अपेक्षा वृद्धावस्था में आपके ज्ञान का लाभ दूसरों को प्राप्त होगा।

Preetam kr Shekhar

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्न के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के हिमायती होंगे एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़े दूर तथा आधुनिक होंगे।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगे। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

Sanjivini

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी-कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।